Institutional efforts/initiatives in providing an inclusive environment i.e., tolerance and harmony towards cultural, regional, linguistic, communal socioeconomic and other diversities (Some sample programmes)

Programme	Organising Date
Three Days Youth Camp For Training in Nonviolence,Culture of Peace and Human Rights	29-31.01.2015
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence,Culture of Peace and Human Rights	09.01.2015
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence,Culture of Peace and Human Rights	16.10.2014
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence,Culture of Peace and Human Rights	08.09.2014
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence,Culture of Peace and Human Rights	09.03.2016
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence,Culture of Peace and Human Rights	16.03.2016
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence,Culture of Peace and Human Rights	09.03.2016
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence,Culture of Peace and Human Rights	09.02.2016
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence,Culture of Peace and Human Rights	09.10.2015
Three Days Youth Camp For Training in Nonviolence,Culture of Peace and Human Rights	20-22, 02. 2017
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence,Culture of Peace and Human Rights	08.02.2017
One Day Youth Camp For Training in Nonviolence,Culture of Peace and Human Rights	28.09.2016
Three Days Youth Camp For Training in Nonviolence,Culture of Peace and Human Rights	27-29,.01.2018
Communal Harmony Programme	19-25, 11.2017

अहिंसा से ही देश व समाज का विकास संभवः कुलपति

लाडनूं में राष्ट्रीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर शुरू

[illegible]

दैनिक भास्कर पत्रिका चूरू

30.1.2015

49

शांति के लिए अहिंसा ही शक्तिशाली अस्त्र

राष्ट्रीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

[illegible], लाडनूं

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग व कैरियर काउन्सलिंग सैल के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित त्रिदिवसीय राष्ट्रीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन गुरुवार को [illegible] में समारोहपूर्वक हुआ।

समारोह की मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो चन्द्रकला पाड़िया ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा अहिंसा को जीवन में अंगीकार करें, तभी देश एवं समाज का विकास संभव है। प्रो पाड़िया ने अहिंसा की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि अहिंसा प्रेम का स्वरूप है, इस प्रेम द्वारा सृष्टि में सह-अस्तित्व का विकास किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति को शांति की खोज के लिए भीतर प्रवेश करना होगा।

लाडनूं। राष्ट्रीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन समारोह में मंचस्थ अतिथि। [illegible]

उन्होंने कहा कि शांति के लिए अहिंसा ही शक्तिशाली अस्त्र है, प्रत्येक व्यक्ति इसे अपनाकर अहिंसा की शक्ति को पहचान सकता है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्रप्रज्ञा ने कहा कि व्यक्ति में अच्छाई एवं बुराई दोनों का समावेश होता है, जिन गुणों को हम विकसित करना चाहते हैं उसके लिए विशेष प्रयास की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं को जीवन में अहिंसा एवं शांति को जीवन का ध्येय बनाने का आह्वान किया। कुलपति ने जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय को अहिंसा एवं शांति का विशिष्ट केन्द्र बताते हुए यहां से दी जा रही शिक्षा को अहिंसा प्रशिक्षण का उपक्रम बताया। विशिष्ट अतिथि के रूप में जयनारायण व्यास विश्वविद्यालय की प्रो पूनम बावा ने युवाओं को कैरियर निर्माण के साथ मूल्यों से प्रेरित शिक्षा ग्रहण करने का आह्वान किया। अहिंसा एवं शांति विभाग के अध्यक्ष प्रो अनिलधर, प्रो बच्छराज दूगड़, प्रो [illegible] मिश्रा, प्रो आनन्द प्रकाश त्रिपाठी, प्रो रेखा तिवारी, डॉ जुगलकिशोर दाधीच, डॉ रविन्द्र सिंह राठौड़ ने भी संबोधित किया।

स्वच्छता रैली निकाली

प्रो अनिलधर ने बताया कि शिविर में देश भर के प्रतिष्ठित महाविद्यालयों के एक सौ युवा भाग ले रहे हैं। इस तीन दिवसीय इस शिविर के दौरान मानवाधिकार, अहिंसा प्रशिक्षण, पर्यावरण संरक्षण, नशामुक्ति, [illegible] आदि का प्रशिक्षण दिया जायेगा। द्वितीय सत्र में अहिंसा प्रशिक्षक प्रो अनिलधर एवं प्रो बच्छराज दूगड़ ने संघर्ष प्रबंधन एवं अहिंसा पर व्याख्यान दिया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिसर में स्वच्छता रैली का आयोजन भी युवाओं द्वारा किया गया।

[illegible] नवज्योति पत्रिका
30.1.2015

2019

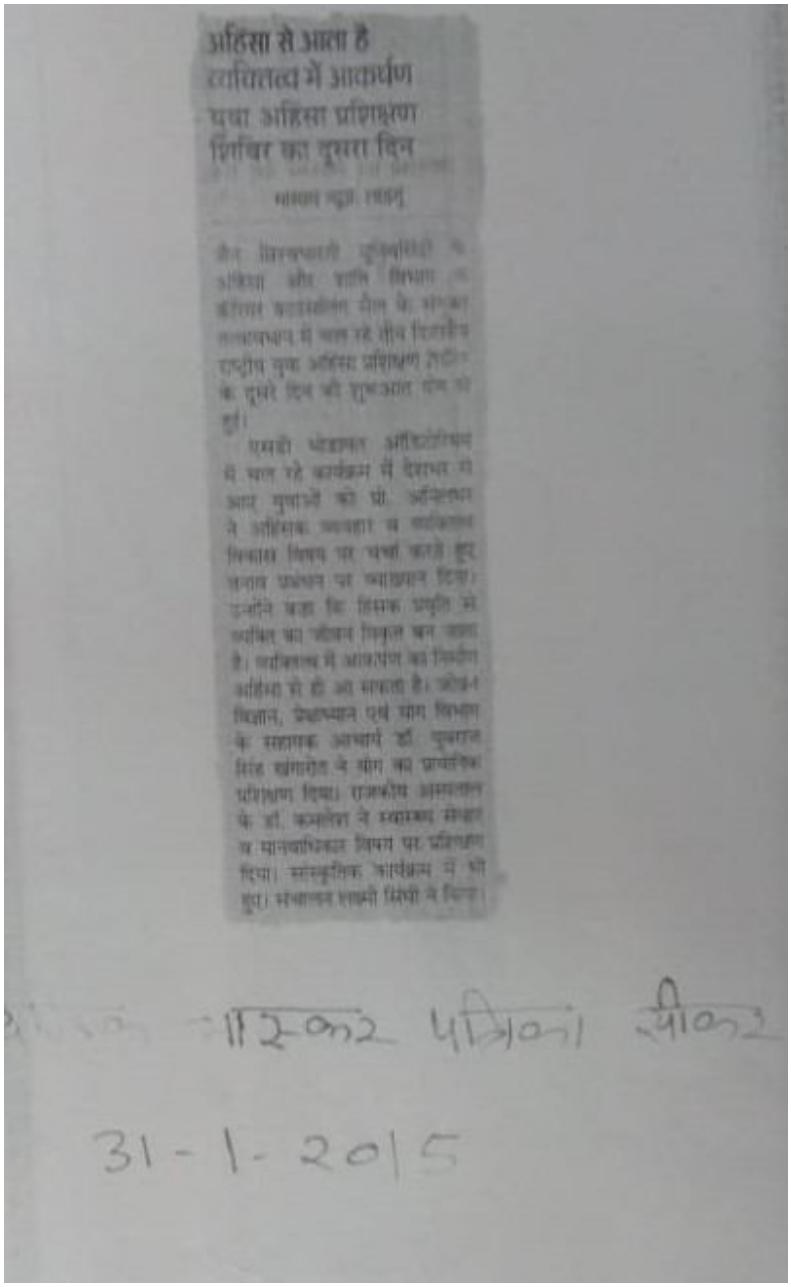

अहिंसा से आता है व्यक्तित्व में आकर्षण

चला अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का दूसरा दिन

भास्कर न्यूज़। लाडनूं

जैन विश्वभारती यूनिवर्सिटी के अहिंसा और शांति विभाग व इंटरनेशनल कम्युनिकेशन सेल के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे तीन दिवसीय राष्ट्रीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत योग से हुई।

एमडी फेडरेशन ऑडिटोरियम में चल रहे कार्यक्रम में देशभर से आए युवाओं को प्रो. अनेकांत ने अहिंसक व्यवहार व व्यक्तित्व विकास विषय पर चर्चा करते हुए तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हिंसक प्रवृति से व्यक्ति का जीवन विकृत बन जाता है। व्यक्तित्व में आकर्षण का निर्माण अहिंसा से ही आ सकता है। जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युवराज सिंह खंगारोत ने योग का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। राजकीय अस्पताल के डॉ. कमलेश ने स्वास्थ्य संबंधी व मानवाधिकार विषय पर प्रशिक्षण दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। संचालन स्वामी सिंधी ने किया।

भास्कर पत्रिका सीकर

31-1-2015

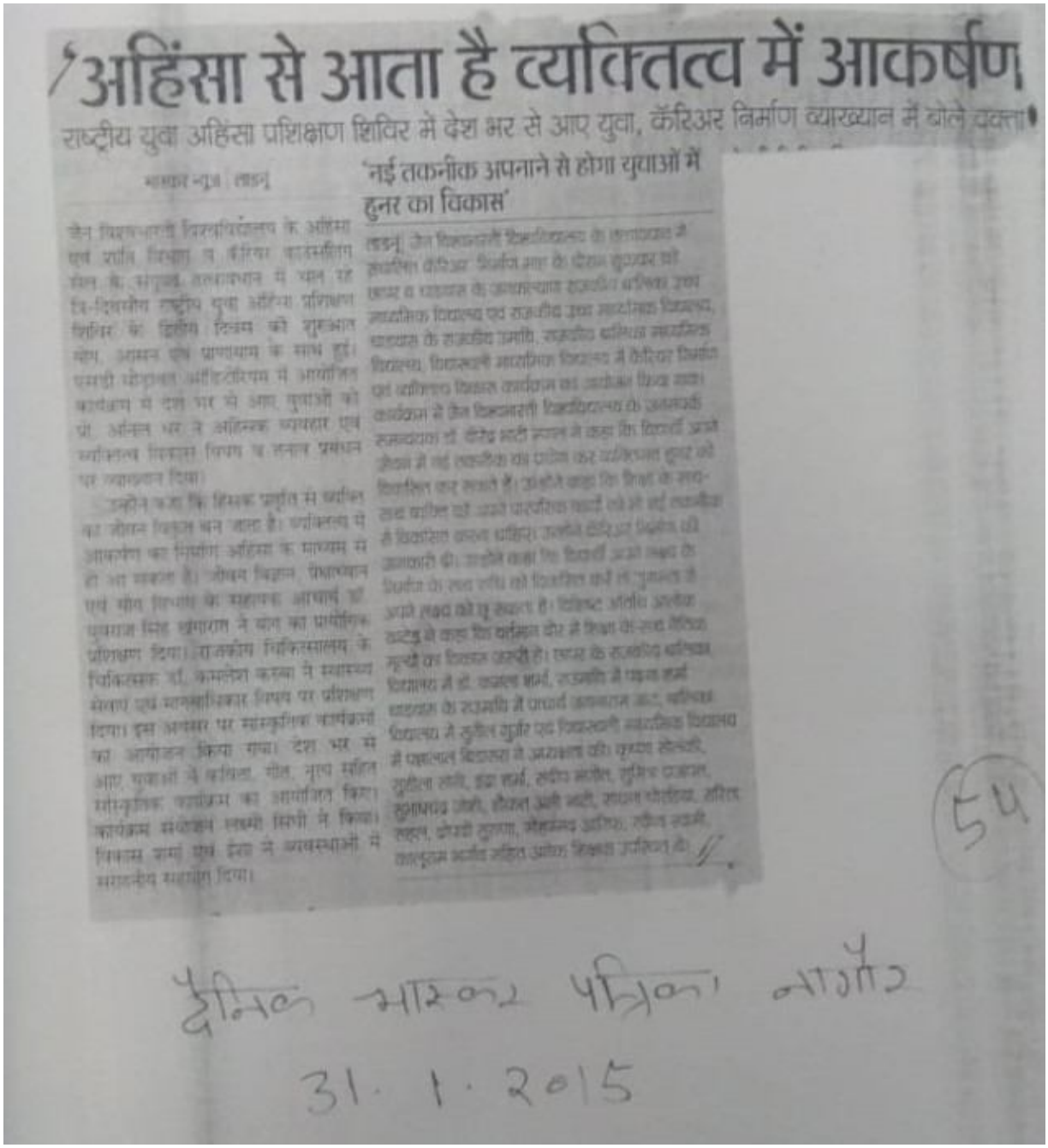

'अहिंसा से आता है व्यक्तित्व में आकर्षण'

राष्ट्रीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर में देश भर से आए युवा, कॅरिअर निर्माण व्याख्यान में बोले वक्ता

[illegible]

'नई तकनीक अपनाने से होगा युवाओं में हुनर का विकास'

[illegible]

54

दैनिक भास्कर पत्रिका नागौर
31. 1. 2015

अहिंसा ही शक्तिशाली अस्त्र

इनका देंगे प्रशिक्षण

वक्ताओं ने दिए व्याख्यान

राजस्थान पत्रिका - चूरू
31.1.2015

अहिंसा से आता है व्यक्तित्व में आकर्षण

युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का दूसरा दिन

भास्कर न्यूज़. लाडनूं

जैन विश्वभारती यूनिवर्सिटी के अहिंसा और शांति विभाग व अहिंसा प्रशिक्षण सेल के संयुक्त तत्वावधान में चल रहे तीन दिवसीय राष्ट्रीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर के दूसरे दिन की शुरुआत योग से हुई।

[illegible] ऑडिटोरियम में चल रहे कार्यक्रम में देशभर से आए युवाओं को प्रो. [illegible] ने अहिंसक व्यवहार व व्यक्तित्व विकास विषय पर चर्चा करते हुए तनाव प्रबंधन पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हिंसक प्रवृत्ति से व्यक्ति का जीवन विकृत बन जाता है। व्यक्तित्व में आकर्षण का निर्माण अहिंसा से ही आ सकता है। जीवन विज्ञान, प्रेक्षाध्यान एवं योग विभाग के सहायक आचार्य डॉ. युवराज सिंह खंगारोत ने योग का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। राजकीय अस्पताल के डॉ. [illegible] ने स्वास्थ्य संबंधी व मानवाधिकार विषय पर प्रशिक्षण दिया। सांस्कृतिक कार्यक्रम भी हुए। संचालन [illegible] ने किया।

राजस्थान पत्रिका सीकर

31-1-2015

जैन विश्वभारती संस्थान
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत घोषित मान्य विश्वविद्यालय)
लाडनूं - 341 306 (राजस्थान), भारत

Jain Vishva Bharati Institute
(Declared as Deemed-to-be University under Section 3 of the UGC Act, 1956)
LADNUN-341306 (Rajasthan), INDIA

Reaccredited 'A' Grade by NAAC

जैविभासं/अशांवि/2015/5539

दिनांक: 07.01.2015

युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

प्रतिष्ठा में,
प्राचार्य,
① भवानी निकेतन स्कूल
जसवन्तगढ़, लाडनूं

महोदय,

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा दिनांक 09.01.2015 को प्रातः 10.30– दोपहर 1.00 बजे तक अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में आपके विद्यालय के कक्षा 11वीं व 12वीं के विद्यार्थियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

आशा है आप इस कार्यक्रम हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान कर अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के विकास में योगभूत बनेंगे।

सधन्यवाद।

② रा० उच्च माध्यमिक विद्यालय ...
③ श्री लाड मनोहर बाल निकेतन, लाडनूं
④ केसर देवी सी० सै० स्कूल, लाडनूं
⑤ श्री सूरजमल सुतोड़िया सी० सै० स्कूल, लाडनूं

भवदीय,

(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

Office of the Vice Chancellor
Phone: +91-1581-226116
Fax: +91-1581-227472
Email: prajna108@gmail.com
vc@jvbi.ac.in

Website: www.jvbi.ac.in
EPABX: +91-1581-226110, 224332

Office of the Registrar
Phone: +91-1581-226230
Fax: +91-1581-227472
Email: registrar@jvbi.ac.in
jvbiladnun@gmail.com

9 जनवरी 2015 अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

लाडनूं. जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय में एनएसएस शिविर के शुभारम्भ पर डॉ. बीआर सहारण का स्वागत करते समन्वयक प्रो. बी प्रधान एवं उपस्थित विद्यार्थीगण।

10/01/2015

'अहिंसात्मक चेतना का विकास जरूरी'

एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर में बढ़ती हिंसा पर किया मंथन, 450 छात्र-छात्राओं ने प्राप्त किया प्रशिक्षण

भास्कर न्यूज | लाडनूं

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन एसडी पोद्दार ऑडिटोरियम में रखा गया।

मुख्य अतिथि विश्वविद्यालय की कुलपति समणी चारित्र प्रज्ञा ने कहा कि विद्यार्थी जीवन से ही अहिंसा के प्रति समर्पण एवं आस्था से श्रेष्ठ नागरिक का निर्माण संभव है। चारित्र प्रज्ञा ने कहा कि अहिंसात्मक चेतना के विकास से ही जीवन में संस्कारों का निर्माण किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को अहिंसा अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि वर्तमान में हिंसा का बढ़ता बोलबाला मानव जीवन के लिए बड़ा खतरा बना हुआ है। ऐसे में जरूरी है कि हम सब मिलकर अहिंसा का प्रशिक्षण लेकर देश एवं समाज को मजबूत बनाएं। अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. अनिल धर ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों का सीमित उपयोग कर हम मानव संस्कृति को खतरे से बचा सकते हैं। आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की प्राचार्य कहा कि मन, वचन एवं कर्म से अहिंसा के पालन के लिए निर्विचार की साधना बहुत जरूरी है। समणी रोहिणी प्रज्ञा ने विद्यार्थियों को प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। शिविर के संयोजक डॉ. रविंद्र सिंह राठौड़ ने शिविर की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम जनसंपर्क समन्वयक डॉ. वीरेंद्र भाटी मंगल ने कहा कि जीवन निर्माण एवं मूल्यों की शिक्षा का पाठ देने वाला यह विश्वविद्यालय समाज एवं देश को स्वस्थ नागरिक देने के लिए समर्पित है। शिविर में भुतोड़िया उच्च माध्यमिक विद्यालय, लाडनूं मनोहर उमावि, केसरदेवी उच्च माध्यमिक विद्यालय, जसवंतगढ़ के भारती निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं निम्बी जोधा के राजकीय उमावि के करीब 450 छात्र-छात्राओं ने भाग लेकर प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम में सुरेंद्र कौर, सोहनलाल जांगिड़, गरिमा भटनागर, गुलाबचंद सांखला, मंजू कुमारी, विकास कुमार शर्मा, लक्ष्मी सिंह आदि का सराहनीय सहयोग रहा। विद्यार्थियों को पर्यावरण से संबंधित डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई। कार्यक्रम में अनेक शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

'सेवा से जुड़ा उपक्रम है एनएसएस'

लाडनूं. जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय एवं आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के अन्तर्गत सप्त दिवसीय शिविर का शुभारंभ कुलपति समणी चारित्र प्रज्ञा की अध्यक्षता में समारोह पूर्वक हुआ। कुलपति समणी चारित्र प्रज्ञा ने कहा एनएसएस सेवा से जुड़ा उपक्रम है। जिससे विद्यार्थी जीवन में सेवा के भावों का विकास सुगमता से किया जा सकता है। समन्वयक प्रो बी प्रधान ने शिविर रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए कार्यक्रम विवरण प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि डॉ बीआर सहारण ने स्वयंसेवकों को पल्स पोलियो अभियान की जानकारी देते हुए स्वस्थ जीवन के गुर बताए। कार्यक्रम में कुलसचिव प्रो. अनिल धर, प्राचार्य समणी मल्लिप्रज्ञा, श्रीमती प्रगति भटनागर आदि मौजूद थे।

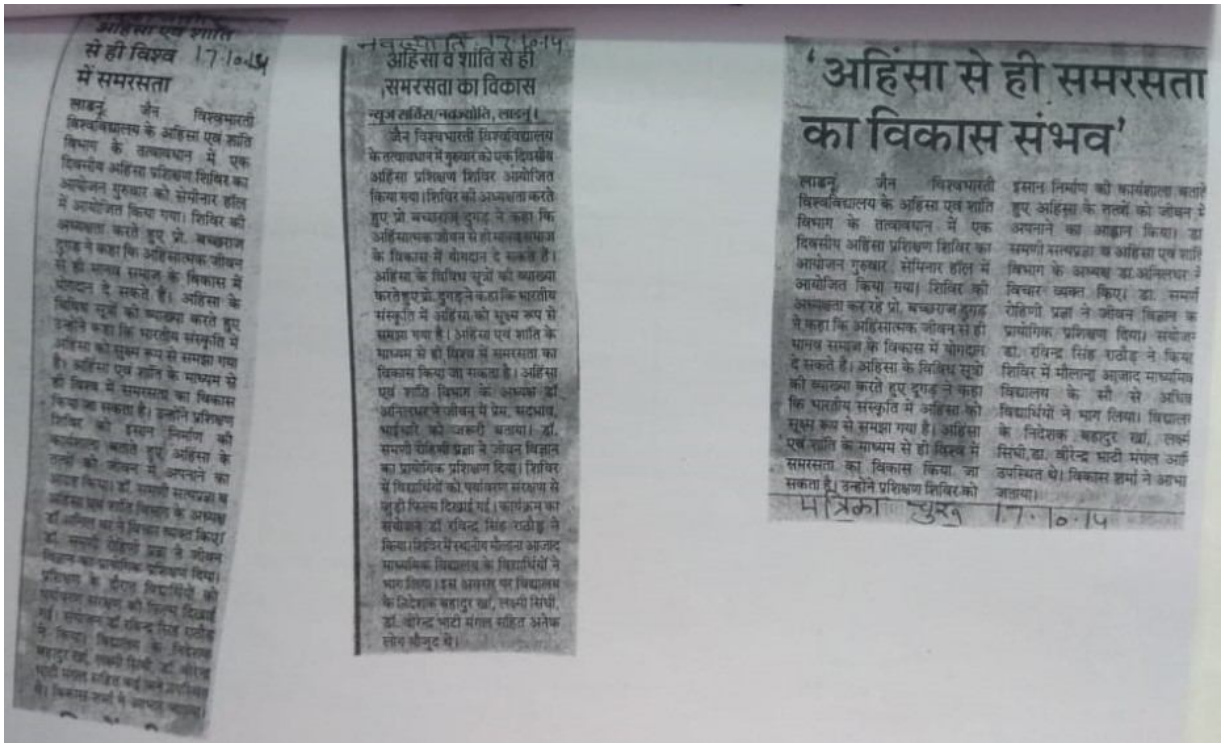

अहिंसा एवं शांति से ही विश्व में समरसता

17.10.14

लाडनूं। जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन गुरुवार को सेमीनार हॉल में आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए प्रो. बच्छराज दुगड़ ने कहा कि अहिंसात्मक जीवन से ही मानव समाज के विकास में योगदान दे सकते हैं। अहिंसा के विविध सूत्रों की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में अहिंसा को सूक्ष्म रूप से समझा गया है। अहिंसा एवं शांति के माध्यम से ही विश्व में समरसता का विकास किया जा सकता है। उन्होंने प्रशिक्षण शिविर को इंसान निर्माण की कार्यशाला बताते हुए अहिंसा के तत्वों को जीवन में अपनाने का आग्रह किया। डॉ. समणी सत्यप्रज्ञा व अहिंसा एवं शांति विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिल धर ने विचार व्यक्त किए। डॉ. समणी रोहिणी प्रज्ञा ने जीवन विज्ञान का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के दौरान विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण की फिल्म दिखाई गई। संयोजन डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने किया। विद्यालय के निदेशक बहादुर खां, लक्ष्मी सिंघी, डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल सहित कई जने उपस्थित थे। विकास शर्मा ने आभार जताया।

नवज्योति 17.10.14

अहिंसा व शांति से ही समरसता का विकास

न्यूज सर्विस/नवज्योति, लाडनूं।

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के तत्वावधान में गुरुवार को एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए प्रो. बच्छराज दुगड़ ने कहा कि अहिंसात्मक जीवन से ही मानव समाज के विकास में योगदान दे सकते हैं। अहिंसा के विविध सूत्रों की व्याख्या करते हुए प्रो. दुगड़ ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अहिंसा को सूक्ष्म रूप से समझा गया है। अहिंसा एवं शांति के माध्यम से ही विश्व में समरसता का विकास किया जा सकता है। अहिंसा एवं शांति विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनिलधर ने जीवन में प्रेम, सद्भाव, भाईचारे को जरूरी बताया। डॉ. समणी रोहिणी प्रज्ञा ने जीवन विज्ञान का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। शिविर में विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी फिल्म दिखाई गई। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने किया। शिविर में स्थानीय मौलाना आजाद माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक बहादुर खां, लक्ष्मी सिंघी, डॉ. वीरेन्द्र भाटी मंगल सहित अनेक लोग मौजूद थे।

'अहिंसा से ही समरसता का विकास संभव'

लाडनूं. जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन गुरुवार सेमिनार हॉल में आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता कर रहे प्रो. बच्छराज दुगड़ ने कहा कि अहिंसात्मक जीवन से ही मानव समाज के विकास में योगदान दे सकते हैं। अहिंसा के विविध सूत्रों की व्याख्या करते हुए दुगड़ ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अहिंसा को सूक्ष्म रूप से समझा गया है। अहिंसा एवं शांति के माध्यम से ही विश्व में समरसता का विकास किया जा सकता है। उन्होंने प्रशिक्षण शिविर को इंसान निर्माण की कार्यशाला बताते हुए अहिंसा के तत्वों को जीवन में अपनाने का आह्वान किया। डा. समणी सत्यप्रज्ञा व अहिंसा एवं शांति विभाग के अध्यक्ष डा. अनिलधर ने विचार व्यक्त किए। डा. समणी रोहिणी प्रज्ञा ने जीवन विज्ञान का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। संयोजन डा. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने किया। शिविर में मौलाना आजाद माध्यमिक विद्यालय के सौ से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। विद्यालय के निदेशक बहादुर खां, लक्ष्मी सिंघी, डा. वीरेन्द्र भाटी मंगल आदि उपस्थित थे। विकास शर्मा ने आभार जताया।

पत्रिका चुरू 17.10.14

18.10.14

एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर आयोजित

लाडनूं। जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सेमीनार हॉल में किया गया। प्रशिक्षण शिविर के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता करते हुए प्रो. बच्छराज दुगड़ ने कहा कि अहिंसात्मक जीवन से ही मानव समाज के विकास में योगदान दे सकते हैं।

अहिंसा के विविध सूत्रों की व्याख्या करते हुए प्रो दुगड़ ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अहिंसा को सूक्ष्म रूप से समझा गया है। अहिंसा एवं शांति के माध्यम से ही विश्व में समरसता का विकास किया जा सकता है। अहिंसा एवं शांति विभाग के अध्यक्ष डॉ अनिल धर ने अहिंसा तत्व की मीमांसा करते हुए जीवन में प्रेम, सद्भाव, भाईचारा को जरूरी बताया। डॉ समणी रोहिणी प्रज्ञा, डॉ समणी सत्यप्रज्ञा ने विचार रखे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने किया। शिविर में स्थानीय मौलाना आजाद माध्यमिक विद्यालय के सौ से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक बहादुर खां, लक्ष्मी सिंघी, डॉ वीरेंद्र भाटी मंगल सहित अनेक लोग उपस्थित थे।

भास्कर नागौर

अहिंसा एवं शांति से ही विश्व में समरसता का विकास

लाडनूं. जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन गुरुवार को सेमीनार हॉल में आयोजित किया गया। शिविर की अध्यक्षता करते हुए प्रो. बच्छराज दुगड़ ने कहा कि अहिंसात्मक जीवन से ही मानव समाज के विकास में योगदान दे सकते हैं। अहिंसा के विविध सूत्रों की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में अहिंसा को सूक्ष्म रूप से समझा गया है। अहिंसा एवं शांति के माध्यम से ही विश्व में समरसता का विकास किया जा सकता है। उन्होंने प्रशिक्षण शिविर को इंसान निर्माण की कार्यशाला बताते हुए अहिंसा के तत्वों को जीवन में अपनाने का आग्रह किया।

पत्रिका नागौर 19.10.14

पर्यावरण संतुलन में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका : डॉ. धर

09/09/14

लाडनूं। जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के हॉल में हुआ। अहिंसा एवं शांति विभाग के अध्यक्ष डॉ अनिल धर ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण आज की प्रमुख समस्या है. इस वैश्विक समस्या के समाधान के प्रति हम सभी को सजग रहकर कार्य करना होगा। डॉ धर ने कहा कि देश का युवा वर्ग सजग रहकर पर्यावरण संतुलन में महत्ती भूमिका का निर्वहन कर सकता है। समणी सत्यप्रज्ञा ने कहा कि व्यक्ति परिवर्तन की बात स्वयं से करनी होगी, तभी समाज में बदलाव संभव है। सहायक आचार्य डॉ रविन्द्र सिंह राठौड़ ने शिविर की महत्ता पर प्रकाश डाला। डॉ युवराज सिंह खंगारोत ने ध्यान, योग का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। संचालन लक्ष्मी सिंघी एवं आभार विकास शर्मा ने व्यक्त किया। कार्यक्रम में स्थानीय सैनिक उच्च माध्यमिक विद्यालय के 125 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर युवाओं को शिक्षाप्रद पर्यावरण से जुड़ी डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखाई गई।

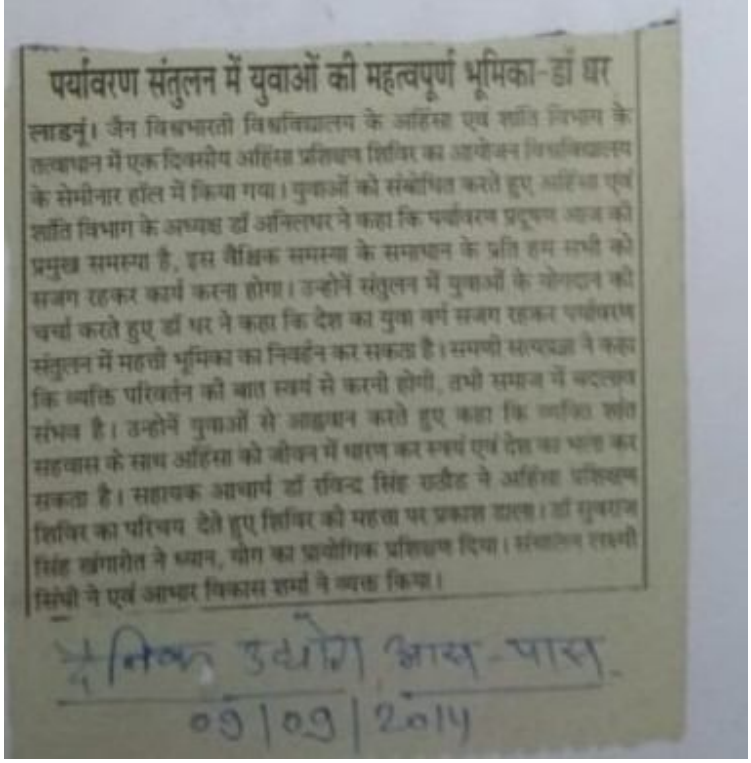

पर्यावरण संतुलन में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका-डॉ धर

लाडनूं। जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के सेमीनार हॉल में किया गया। युवाओं को संबोधित करते हुए अहिंसा एवं शांति विभाग के अध्यक्ष डॉ अनिलधर ने कहा कि पर्यावरण प्रदूषण आज की प्रमुख समस्या है, इस वैश्विक समस्या के समाधान के प्रति हम सभी को सजग रहकर कार्य करना होगा। उन्होंने संतुलन में युवाओं के योगदान की चर्चा करते हुए डॉ धर ने कहा कि देश का युवा वर्ग सजग रहकर पर्यावरण संतुलन में महत्ती भूमिका का निर्वहन कर सकता है। समणी सत्यप्रज्ञा ने कहा कि व्यक्ति परिवर्तन की बात स्वयं से करनी होगी, तभी समाज में बदलाव संभव है। उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि व्यक्ति शांति सहवास के साथ अहिंसा को जीवन में धारण कर स्वयं एवं देश का भला कर सकता है। सहायक आचार्य डॉ रविन्द्र सिंह राठौड़ ने अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का परिचय देते हुए शिविर की महत्ता पर प्रकाश डाला। डॉ युवराज सिंह खंगारोत ने ध्यान, योग का प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। संचालन लक्ष्मी सिंघी ने एवं आभार विकास शर्मा ने व्यक्त किया।

नित्य उद्योग आस-पास

09/09/2014

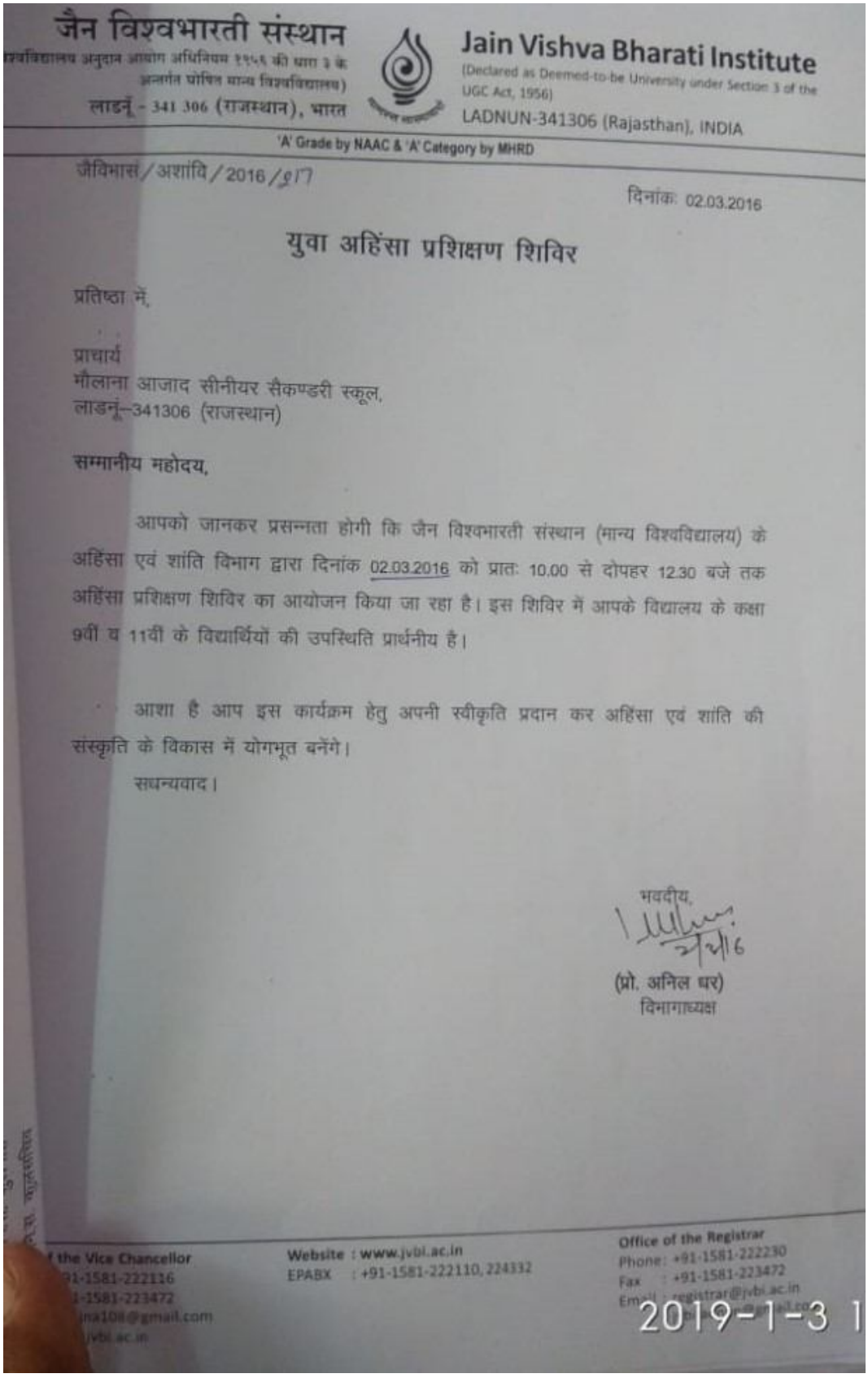

जैन विश्वभारती संस्थान
(विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम १९५६ की धारा ३ के अन्तर्गत घोषित मान्य विश्वविद्यालय)
लाडनूं - 341 306 (राजस्थान), भारत

Jain Vishva Bharati Institute
(Declared as Deemed-to-be University under Section 3 of the UGC Act, 1956)
LADNUN-341306 (Rajasthan), INDIA

'A' Grade by NAAC & 'A' Category by MHRD

जैविभासं/अशांवि/2016/917

दिनांक: 02.03.2016

युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

प्रतिष्ठा में,

प्राचार्य
मौलाना आजाद सीनीयर सैकण्डरी स्कूल,
लाडनूं–341306 (राजस्थान)

सम्मानीय महोदय,

आपको जानकर प्रसन्नता होगी कि जैन विश्वभारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा दिनांक 02.03.2016 को प्रातः 10.00 से दोपहर 12.30 बजे तक अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर में आपके विद्यालय के कक्षा 9वीं व 11वीं के विद्यार्थियों की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

आशा है आप इस कार्यक्रम हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान कर अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के विकास में योगभूत बनेंगे।

सधन्यवाद।

भवदीय,
2/3/16
(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

...f the Vice Chancellor
...91-1581-222116
...1-1581-223472
...na108@gmail.com
...jvbi.ac.in

Website : www.jvbi.ac.in
EPABX : +91-1581-222110, 224332

Office of the Registrar
Phone: +91-1581-222230
Fax : +91-1581-223472
Email : registrar@jvbi.ac.in

2019-1-3 1

क दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

पर्यावरण संरक्षण के लिए अहिंसा प्रशिक्षण जरूरी : धर

भास्कर संवाददाता | लाडनूं

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सेमिनार हॉल में किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए अहिंसा एवं शांति विभाग के अध्यक्ष प्रो. अनिल धर ने कहा कि अहिंसा प्रशिक्षण से मानवीय मूल्यों का विकास करने के साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति भी सजग रहा जा सकता है। प्रो. धर ने अहिंसा प्रशिक्षण की आवश्यकता पर बल देते हुए विद्यार्थियों से समाज में सकारात्मक भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के संयोजक डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने अहिंसा की संस्कृति के विकास के लिए दया, प्रेम, करुणा, क्षमा आदि गुणों को जीवन में धारण करने की बात कही। इस अवसर पर विद्यार्थियों को जल प्रबंधन विषय पर लघु फिल्म दिखाई गई और प्रायोगिक प्रशिक्षण भी दिया गया। इस अवसर पर शिविर में स्थानीय मौलाना आजाद उच्च माध्यमिक विद्यालय के सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में इमरान खां, सहायक आचार्य डॉ. विकास शर्मा ने सहयोग किया।

04 मार्च 2016 दैनिक भास्कर

अहिंसा एवं शान्ति विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

जै.वि.भा.सं./अहिंसा/2016/ 373

सूचना

दिनांक 15.3.2016

विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शान्ति विभाग द्वारा एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

दिनांक :16.03.2016
समय : प्रातः 10:00 बजे
स्थान : सेमीनार हॉल, शैक्षणिक खण्ड
इस कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित है।

(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि :
1. व.नि.स. – कुलपति
2. नि.स. – कुलसचिव
3. वित्ताधिकारी

शिविर

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन

शिविर में प्रायोगिक प्रशिक्षण पर दिया बल

भास्कर संवाददाता | लाडनूं

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन सेमिनार हॉल में किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए प्रो. बच्छराज दुगड़ ने कहा कि अहिंसा का प्रशिक्षण जीवन में बहुत जरूरी है, अहिंसा के प्रशिक्षण से ही हिंसा पर अंकुश किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज प्रत्येक व्यक्ति तनाव से ग्रसित है। प्रो. दुगड़ ने अहिंसा प्रशिक्षण की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को जीवन में अहिंसा के पालन के लिए प्रायोगिक प्रशिक्षण पर बल दिया। विश्वविद्यालय के कुलसचिव प्रो. अनिल धर ने अहिंसा प्रशिक्षण शिविर की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए अहिंसा को जीवन निर्माण का विशिष्ट तत्व बताया। प्रो. धर ने अहिंसा प्रशिक्षण के माध्यम से जीवन में परिवर्तन करने पर बल दिया। आदर्श विद्या मंदिर के प्राचार्य राजूराम पारीक ने अहिंसा प्रशिक्षण शिविर को महत्वपूर्ण बताते हुए विद्यार्थियों के विकास के लिए जरूरी बताया। कार्यक्रम का संयोजन करते हुए जनसंपर्क समन्वयक डॉ. वीरेंद्र भाटी मंगल ने कहा कि अहिंसा के प्रशिक्षण से श्रेष्ठ इंसान का निर्माण संभव है। उन्होंने विद्यार्थियों को निरंतर प्रशिक्षण से जुड़े रहने का आह्वान किया। आभार ज्ञापन सहायक आचार्य डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने किया। प्रशिक्षण शिविर में डॉ. अशोक भास्कर, लक्ष्मी सिंधी आदि ने प्रायोगिक प्रशिक्षण दिया। शिविर में आदर्श विद्या मंदिर माध्यमिक विद्यालय के सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया।

लाडनूं. जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय में अहिंसा प्रशिक्षण शिविर में उपस्थित छात्राएं।

16 मार्च 2016. दैनिक भास्कर, नागौर

अहिंसा एवं शान्ति विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

जै.वि.भा.सं./अहिंसा/2016/324 दिनांक 08.02.2016

सूचना

विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शान्ति विभाग द्वारा एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

दिनांक : 09.02.2016
समय : प्रातः 11:00 बजे
स्थान : सेमीनार हॉल, शैक्षणिक खण्ड
इस कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित है।

(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि :
1. व.नि.स. – कुलपति
2. नि.स. – कुलसचिव
3. वित्ताधिकारी

अहिंसा एवं शान्ति विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

जै.वि.भा.सं./अहिंसा/2015/ 172

दिनांक 9.10.2015

सूचना

विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शान्ति विभाग द्वारा एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

दिनांक : 10.10.2015
समय : प्रातः 10:30 बजे
स्थान : महाप्रज्ञ सभागार
इस कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित है।

(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि :
1. व.नि.स. – कुलपति
2. नि.स. – कुलसचिव
3. वित्ताधिकारी

अहिंसा एवं शान्ति विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूँ

जै.वि.भा.सं./अहिंसा/2015/ 172

दिनांक 8.10.2015

सूचना

विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शान्ति विभाग द्वारा एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

दिनांक : 10.10.2015
समय : प्रातः 10:30 बजे
स्थान : महाप्रज्ञ सभागार
इस कार्यक्रम में आप सभी सादर आमंत्रित है।

(प्रो. अनिल धर)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि :
1. व.नि.स. – कुलपति
2. नि.स. – कुलसचिव
3. वित्ताधिकारी

10/10/15

एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

2019-

नागौर, रविवार 11 अक्टूबर, 2015 2

देश व समाज के विकास के लिए अहिंसा आवश्यक : प्रो. धर

एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

भास्कर संवाददाता | लाडनूं

लाडनूं. जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय में अहिंसा प्रशिक्षण शिविर में संबोधित करते कुल सचिव प्रो. अनिल धर।

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन महाप्रज्ञ सभागार में समारोहपूर्वक हुआ। विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए अहिंसा एवं शांति विभाग के अध्यक्ष एवं विश्वविद्यालय के कुल सचिव प्रो. अनिलधर ने कहा कि युवा अहिंसा को जीवन में अंगीकार करें, तभी देश एवं समाज का विकास संभव है। प्रो. धर ने अहिंसा की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि अहिंसा प्रेम का स्वरूप है, इस प्रेम द्वारा सृष्टि में सह अस्तित्व का विकास किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि शांति के लिए अहिंसा ही शक्तिशाली अस्त्र है, प्रत्येक व्यक्ति इसे अपनाकर अहिंसा की शक्ति को पहचान सकता है। समारोह की अध्यक्षता करते हुए जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के प्रो. बीआर दुगड़ ने कहा कि व्यक्ति में अच्छाई एवं बुराई दोनों का समावेश होता है। जिन गुणों को हम विकसित करना चाहते हैं उसके लिए विशेष प्रयत्न की आवश्यकता है। उन्होंने युवाओं को जीवन में अहिंसा एवं शांति को जीवन का ध्येय बनाने का आह्वान किया। दुगड़ ने जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय को अहिंसा एवं शांति का विशिष्ट केंद्र बताते हुए यहां से दी जा रही शिक्षा को अहिंसा प्रशिक्षण का उपक्रम बताया। एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जुगलकिशोर दाधीच ने युवाओं को कैरिअर निर्माण के साथ मूल्यों से प्रेरित शिक्षा ग्रहण करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का संयोजन करते हुए शोधार्थी लक्ष्मी सिंधी ने विद्यार्थियों को पर्यावरण के प्रति सजग रहने का आह्वान किया। प्रशिक्षण शिविर में सीट जोधिकर्स स्कूल के 70 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर 09/02/16

पर्यावरण जागरूकता के लिए दिखाई फिल्म

लाडनूं में जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर आयोजित

भास्कर संवाददाता | लाडनूं

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन विश्वविद्यालय के सेमीनार हॉल में किया गया। प्रशिक्षण शिविर में स्थानीय लाड मनोहर उच्च माध्यमिक विद्यालय के एक सौ विद्यार्थियों ने भाग लिया। शिविर के प्रथम सत्र में प्रशिक्षण शिविर की महत्ता बताते हुए विभागाध्यक्ष प्रो. अनिलधर ने कहा कि विद्यार्थी देश का भविष्य है। उन्होंने कहा कि अहिंसक मूल्यों की स्थापना कर ही जीवन में संस्कारों का निर्माण किया जा सकता है। विद्यार्थियों को प्रेरणा देते हुए प्रो. अनिल धर ने कहा कि जब तक जीवन में कार्य करने की तीव्र इच्छा नहीं होगी, तब तक अपना सर्वश्रेष्ठ नहीं दे सकते है। जीवन में सफल होने के लिए उन्होंने कहा कि अपनी शक्ति का सही उपयोग कर ही जीवन में सफलता का वरण किया जा सकता है। योग विभाग के आलोक पाण्डेय ने योग क्रियाओं का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर विद्यार्थियों को पर्यावरण जागरूकता के लिए फिचर फिल्म दिखाई गई। लक्ष्मी सिंधी ने विद्यार्थियों के साथ संवाद कर उनके साथ परिचर्चा की। कार्यक्रम में विशनदयाल गुप्त, जितेन्द्र भोजक, अंजना भोजक, सुभाष पंवार सहित अनेक लोग उपस्थित थे। कार्यक्रम में डॉ विकास शर्मा, ईशा चौहान आदि का पूर्ण सहयोग रहा। डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने आभार व्यक्त किया।

लाडनूं. जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय में अहिंसा प्रशिक्षण शिविर में मंचासीन अतिथि।

अहिंसा एवं शांति विभाग, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

जैविभासं./अहिंसा एवं शांति/2017/08 दिनांक : 17.02.2017

सूचना

अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा त्रि-दिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 20–22 फरवरी, 2017 तक किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

उद्घाटन सत्र : दिनांक 20.02.2017
समय : प्रातः 10.30 से 11.15
स्थान : सेमीनार हॉल, अकादमिक ब्लॉक

Ravindra Singh
(डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़)
प्रभारी विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि–

1. समस्त विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्य
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव
4. सूचना पट्ट

अहिंसा एवं शांति विभाग, जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं

दिनांक : 17.02.2017

जैविभासं./अहिंसा एवं शांति/2017/08

सूचना

अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा त्रि-दिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन दिनांक 20–22 फरवरी, 2017 तक किया जा रहा है। उद्घाटन सत्र में आप सभी की उपस्थिति प्रार्थनीय है।

उद्घाटन सत्र : दिनांक 20.02.2017
समय : प्रातः 10.30 से 11.15
स्थान : सेमीनार हॉल, अकादमिक ब्लॉक

Ravindra Singh
(डॉ. रवीन्द्र सिंह राठौड़)
प्रभारी विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि–

1. समस्त विभागाध्यक्ष एवं संकाय सदस्य
2. निजी सचिव, कुलपति
3. निजी सहायक, कुलसचिव
4. सूचना पट्ट

20, 21 व 22 फरवरी 2017

युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर

युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर शुरू

21/02/17

[illegible]

rajasthanpatrika.com

राजस्थान पत्रिका . चूरू . बुधवार. 22.02.2017

मानवीय मूल्यों से युक्त होने पर ही जीवन की सार्थकता

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क

[illegible]

[illegible]

20/02/2014

21/02/14

अहिंसा से ही मूल्यों का विकास संभव

लाडनूं. जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन संस्थान के एसडी चोरड़िया ऑडिटोरियम हुआ। शिविर को संबोधित करते हुए प्रो. बच्छराज दुगड़ ने कहा कि अहिंसा प्रशिक्षण वर्तमान की आवश्यकता है। अहिंसा के प्रशिक्षण से ही मानवीय मूल्यों का विकास हो सकता है। प्रो. दुगड़ ने अहिंसा तत्व की मीमांसा करते हुए कहा कि अहिंसा के धरातल पर ही शांति संभव है। अहिंसा एवं शांति विभाग के अध्यक्ष डॉ अनिल धर ने अहिंसा प्रशिक्षण एवं युवा विषयक विचार रखते हुए कहा कि आज युवाओं में हिंसा एवं आक्रोश बढ़ा है, अहिंसा प्रशिक्षण के माध्यम से युवाओं में रचनात्मक सोच का निर्माण किया जा सकता है। शिविर के दौरान विद्यार्थियों को अहिंसा एवं शांति का प्रशिक्षण दिया गया। शिविर में स्थानीय विमला शिक्षा विहार उच्च माध्यमिक विद्यालय एवं लाड मनोहर बाल निकेतन उच्च माध्यमिक विद्यालय के करीब 300 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस अवसर पर बाल मनोविज्ञान पर आधारित शिक्षाप्रद फीचर फिल्म जागृति ऑडिटोरियम में दिखाई गई। कार्यक्रम का संयोजन डॉ वंदना कुण्डलिया ने किया। आभार डॉ रविन्द्र सिंह राठौड़ ने व्यक्त किया। व्यवस्था में विकास शर्मा, लक्ष्मी सिंघी आदि का सहयोग रहा।

लाडनूं में अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन युवाओं को बताया शांति, त्याग व संयम का महत्व

लाडनूं में तीन दिवसीय राज्य स्तरीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर संपन्न, शिविरार्थियों को दिए गए प्रमाण-पत्र

भास्कर संवाददाता | लाडनूं

जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्त्वावधान में आयोजित तीन दिवसीय राज्य स्तरीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए सूरजमल तापड़िया औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक वीके नागर ने कहा कि हमें प्रकृति ने समस्त आवश्यक वस्तुएं प्रदान की है, लेकिन हम उनका दोहने मनमर्जी से कर लेते हैं, ये ठीक नहीं है। प्रकृति के प्रति हमारा प्रेम व चिंतन होना चाहिए तथा आवश्यकतानुसार ही उपभोग होना चाहिए।

अहिंसा के सिद्धांत हमें इसी की शिक्षा देते हैं और हर वस्तु के प्रति हमारा दृष्टिकोण बदल सकता है। उपभोग हमारा अधिकार है तो उसके साथ हमारे कर्तव्य भी होने चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारा व्यवहार दूसरों के प्रति अहिंसक है तो उनके प्रति हमारे विचार भी शुद्ध होने चाहिए। मानसिक रूप से गलत

विचार रखना भी हिंसा का ही रूप है। उन्होंने शिविरार्थियों से कहा कि शिविर के दौरान सीखी हुई बातों का कुछ हिस्सा या केवल एक ही सूत्र अगर अपने मन में उतार कर उस पर चलना शुरू कर दिया। उसे अपने जीवन का हिस्सा बना लिया तो निश्चित रूप से हृदय परिवर्तन हो जाएगा। शिविर के दौरान आयोजित प्रतियोगिताओं में श्रेष्ठ रहे प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। गायन प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर रिया जैन, द्वितीय कोमल राठौड़ और तृतीय स्थान पर सुभाष पूनिया व निकिता दाधीच रहे। अतिथियों ने इन सभी को पुरस्कृत किया और सभी शिविरार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किए गए। इस अवसर पर नेहा पारीक, वृतिका नागपुरिया, सुभाष पूनिया, मनीष लखारा, हर्षिता गौतम, पूनम भांभू आदि ने अपने अनुभव प्रस्तुत किये। अंत में डा. जुगल किशोर दाधीच ने आभार ज्ञापित किया।

शिविर संपन्न होने के प्रशिक्षणार्थियों ने किया ऑडिटोरियम, स्मार्ट क्लासेज का अवलोकन

विश्वविद्यालय के विस्तारिकारी आनंद जैन ने कहा कि हर समस्या का समाधान अहिंसा के माध्यम से निकाला जा सकता है। उन्होंने अहिंसा, शांति, त्याग, संयम व मौन का महत्व बताया तथा इन गुणों को अपनाने के लिए प्रेरित किया। प्रो. अनिल धर ने गांधी के सत्याग्रह का उदाहरण देते हुए कहा कि सत्याग्रह जहां दूसरों को प्रेरित करने का काम करता है, वहीं उसके द्वारा खुद का मन भी निर्मल हो जाता है। अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने शिविरार्थियों से कहा कि शिविर से प्राप्त प्रशिक्षण के बाद वे एक अहिंसक नागरिक के रूप में अपना जीवन बनाए तथा सभी को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि आने वाला कल उन युवाओं का है, उसे उज्ज्वल बनाए। प्रारंभ में डॉ. विकास शर्मा ने शिविर का प्रतिवेदन प्रस्तुत करते हुए तीन दिनों की समस्त गतिविधियों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि इस तीन दिवसीय शिविर के दौरान प्रो. आनन्दप्रकाश त्रिपाठी, प्रो. अनिल धर, समणी कुसुम प्रज्ञा, ओमप्रकाश प्रजापत, डा. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, डा. रविन्द्र सिंह राठौड़ आदि ने प्रशिक्षण व विभिन्न विषयों पर व्याख्यान प्रदान किए। शिविरार्थियों को ध्यान, आसन, प्राणायाम, कायोत्सर्ग, अनुप्रेक्षा आदि यौगिक क्रियाओं द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। शिविरार्थियों ने यहां स्थापित मुनि स्थूलिक कुमार के दर्शन करके उनसे आशीर्वचन के रूप में अहिंसा तत्व का सार समझा। सभी को कैम्पस विजिट में वर्द्धमान ग्रंथागार, ऑडिटोरियम, स्मार्ट क्लासेज, शिक्षा विभाग आदि का अवलोकन कराया गया।

2019-1-3

Department of Non-violence and Peace

Jain Vishva Bharati Institute

Time Table : One Day Youth Camp

Date - 08 February 2017

उद्घाटन सत्र	10:30 बजे से 11:00 बजे तक
हिंसा अहिंसा अभिवृत्ति कार्यशाला और प्रायोगिक प्रशिक्षण	सुबह 11:00 से 12:00 तक
हिंसा और अहिंसा का चित्रांकित प्रतिपादन	दोपहर 12:00 से 12:30 तक
फीडबैक सत्र, शिविर समापन और शिविर उपयोगिता पर चर्चा	12:30 से 1:00 बजे तक

स्थान – सेमिनार हॉल, शैक्षणिक खण्ड

समय – सुबह 10:30 से दोपहर 1:00 बजे तक

HOD, SOL

(डॉ. विकास शर्मा)
समन्वयक

9 फरवरी 2017 +

दैनिक भास्कर

हरनावां . छोटी खाटू . जसवंतगढ़

समाज को बुनियाद से सुधारना होगा : कक्कड़

लाडनूं में अहिंसा एवं शांति प्रशिक्षण के लिए युवा शिविर का आयोजन, कार्यक्रम में 100 संभागी हुए शामिल

भास्कर संवाददाता | लाडनूं

जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में बुधवार को अहिंसा एवं शांति की संस्कृति के प्रशिक्षण के लिए एक दिवसीय युवा शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता करते हुए रजिस्ट्रार विनोद कुमार कक्कड़ ने कहा कि जब तक बच्चा दिल से सोचता है वह सही रहता है, लेकिन जब से दिमाग से सोचना शुरू करता है तो समाज की विकृतियां उस पर हावी होने लगती है। हमें समाज को बुनियाद से सुधारना है। जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय सामाजिक मूल्यों को मानता है और उन्हीं के प्रसार का कार्य कर रहा है। कक्कड़ ने कहा कि अपने आपको समर्थ बनाए बिना किसी को अपनी बात मनवाना मुश्किल होता है। केवल सामर्थ्यवान ही अपनी बात को सबको मनवा सकता है। इसके लिये अच्छी शिक्षाएं, अच्छा कैरिअर, अच्छा व्यक्तित्व, अच्छी भाषा का होना जरूरी है। इन सबसे ही व्यक्ति सामर्थ्यवान बनता है और वह शांति स्थापित कर सकता है। उन्होंने बताया कि परिवार हो या कक्षाएं कार्यालय हो या देश-दुनिया सभी जगह लड़ाई है, लेकिन इन क्षेत्रों में अपने सामर्थ्य से ही शांति कायम की जा सकती है।

विश्वविद्यालय कैंपस का भी किया अवलोकन

युवा शिविर में 100 संभागियों ने हिस्सा लिया। इन्हें योग एवं जीवन विज्ञान विभाग के डा. अशोक भास्कर ने अहिंसा प्रशिक्षण के प्रायोगिक अभ्यास करवाए। युवाओं को अनुप्रेक्षा, विशेष आसन, प्राणायाम एवं विभिन्न यौगिक क्रियाओं का अभ्यास करवाया गया। सभी संभागियों से वैश्विक परिदृश्य में हिंसा के स्वरूप का विश्लेषण करवाया जाकर उनकी मनोवृत्ति का आंकलन किया गया तथा डा. विकास शर्मा द्वारा 10-10 विद्यार्थियों के 10 समूह बनाए जाकर उन्हें अलग-अलग टॉपिक दिये गये और उन पर उनके विचारों को सुना गया। इस अवसर पर सभी संभागियों को विश्वविद्यालय कैम्पस का अवलोकन भी करवाया गया, जिसमें उन्होंने स्मार्ट क्लासेज, आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय तथा अन्य विभिन्न विभागों एवं व्यवस्थाओं को देखा व समझा।

हर युवा भीतर से बने मजबूत

प्रो. अनिल धर ने अपने सम्बोधन में बताया कि हमारी युवा शक्ति पर ही आने वाले भारत का दायित्व आएगा। भारत शक्तिशाली बने, इसके लिये हर युवा को भीतर से मजबूत बनना होगा। उन्होंने महात्मा गांधी का उदाहरण देते हुए बताया कि वे शारीरिक दृष्टि से उतने मजबूत नजर नहीं आते थे, लेकिन उनका आत्मबल इतना मजबूत था कि अंग्रेजों को बाहर का रास्ता दिखाकर देश को आजाद करवाने में सफल रहे। दयानंद सरस्वती उमावि के निदेशक हरिकृष्ण शर्मा ने बाहरी व आंतरिक हिंसा के बारे में बताया तथा अपने अंदर विचारों की हिंसा घृणा, द्वेष आदि का त्याग करने की आवश्यकता बताई।

सत्य व अहिंसा से सभी समस्याओं का हल

प्रारंभ में विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के प्रभारी डा. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने युवा शिविर की प्रस्तावना प्रस्तुत की तथा कहा कि हिंसा को समाज से मिटाने के लिये और युवाओं को नई सोच, नई दिशा देने के लिये जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय विभिन्न प्रयास कर रहा है। डा. जुगल दाधीच ने कहा कि सत्य और अहिंसा दो ऐसे शस्त्र है जिन्हें धारण करने से समाज की हर समस्या का हल निकाला जा सकता है। उन्होंने उत्तेजना को त्यागने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम का संचालन शिविर संयोजक डा. विकास शर्मा ने किया।

Department of Non-violence and Peace
Youth Camp for Training in Non-violence
September 28, 2016

Time Table

10.00-11.00	11.00-11.30	11.30-12.00	12.00-12.30
उद्घाटन सत्र एवं शिविर परिचय	प्रायोगिक प्रशिक्षण	लघु फिल्म	समापन समारोह
अनिल धर एवं रवीन्द्र सिंह राठौड नी स्टॉफ सदस्य	योग एवं जीवन विज्ञान विभाग द्वारा	विषय–पर्यावरण	

समय : प्रातः 10.00 से 12.30 बजे तक

स्थान : सेमीनार हॉल, शैक्षणिक खण्ड

(डॉ. विकास शर्मा)
संयोजक

प्रतिलिपि :

- व. नि. स. कुलपति
- नि. स. कुलसचिव

One day Youth Camp in Dept of Non Violence and Peace
Dated - 28/9/16

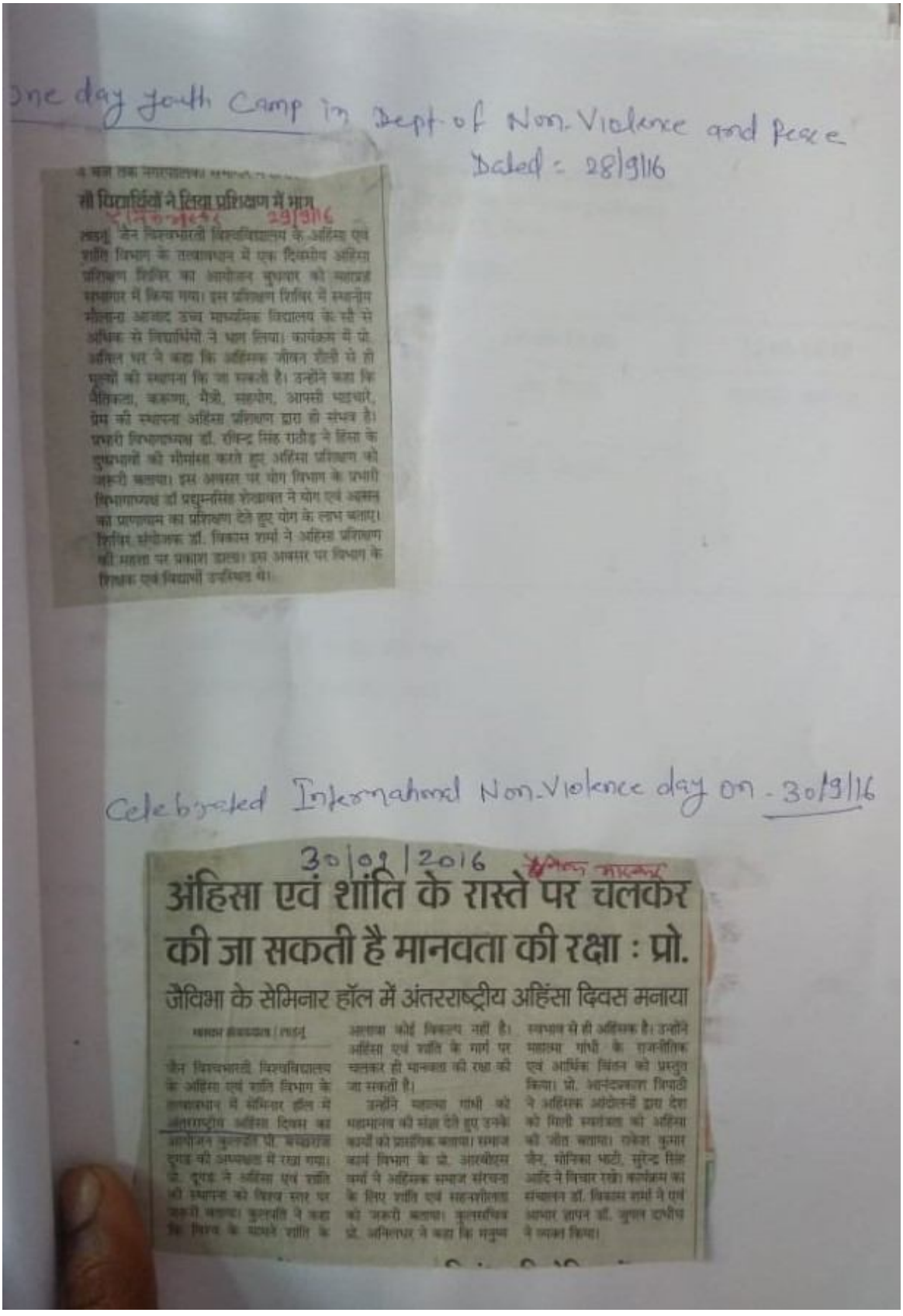

सौ विद्यार्थियों ने लिया प्रशिक्षण में भाग

राजस्थान पत्रिका 29/9/16

लाडनूं. जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में एक दिवसीय अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का आयोजन बुधवार को महाप्रज्ञ सभागार में किया गया। इस प्रशिक्षण शिविर में स्थानीय मौलाना आजाद उच्च माध्यमिक विद्यालय के सौ से अधिक से विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यक्रम में प्रो. अनिल धर ने कहा कि अहिंसक जीवन शैली से ही मूल्यों की स्थापना कि जा सकती है। उन्होंने कहा कि नैतिकता, करुणा, मैत्री, सहयोग, आपसी भाईचारे, प्रेम की स्थापना अहिंसा प्रशिक्षण द्वारा ही संभव है। प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. रविन्द्र सिंह राठौड़ ने हिंसा के दुष्प्रभावों की मीमांसा करते हुए अहिंसा प्रशिक्षण को जरूरी बताया। इस अवसर पर योग विभाग के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ प्रद्युम्नसिंह शेखावत ने योग एवं आसन का प्राणायाम का प्रशिक्षण देते हुए योग के लाभ बताए। शिविर संयोजक डॉ. विकास शर्मा ने अहिंसा प्रशिक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

Celebrated International Non-Violence day on - 30/9/16

30/09/2016 दैनिक भास्कर

अंहिसा एवं शांति के रास्ते पर चलकर की जा सकती है मानवता की रक्षा : प्रो.

जैविभा के सेमिनार हॉल में अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस मनाया

भास्कर संवाददाता | लाडनूं

जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में सेमिनार हॉल में अंतरराष्ट्रीय अहिंसा दिवस का आयोजन कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ की अध्यक्षता में रखा गया। प्रो. दूगड़ ने अहिंसा एवं शांति की स्थापना को विश्व स्तर पर जरूरी बताया। कुलपति ने कहा कि विश्व के सामने शांति के अलावा कोई विकल्प नहीं है। अहिंसा एवं शांति के मार्ग पर चलकर ही मानवता की रक्षा की जा सकती है।

उन्होंने महात्मा गांधी को महामानव की संज्ञा देते हुए उनके कार्यों को प्रासंगिक बताया। समाज कार्य विभाग के प्रो. अरविंदस वर्मा ने अहिंसक समाज संरचना के लिए शांति एवं सहनशीलता को जरूरी बताया। कुलसचिव प्रो. अनिलधर ने कहा कि मनुष्य स्वभाव से ही अहिंसक है। उन्होंने महात्मा गांधी के राजनीतिक एवं आर्थिक चिंतन को प्रस्तुत किया। प्रो. आनंदप्रकाश त्रिपाठी ने अहिंसक आंदोलनों द्वारा देश को मिली स्वतंत्रता को अहिंसा की जीत बताया। राकेश कुमार जैन, मोनिका भाटी, सुरेन्द्र सिंह आदि ने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. विकास शर्मा ने एवं आभार ज्ञापन डॉ. जुगल दाधीच ने व्यक्त किया।

अहिंसा एवं शान्ति विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 25.01.2018

सूचना

संस्थान के समस्त विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, अधिकारियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा त्रि–दिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन दिनांक 27.01.2018 को आचार्य महाप्रज्ञ एवं आचार्य महाश्रमण ऑडिटोरियम में प्रातः 10:30 बजे होगा। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि नागौर पुलिस अधीक्षक परीस देशमुख एवं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राजस्थान राज्य मानवाधिकार आयोग के रजिस्ट्रार श्री मान शैलेन्द्र व्यास होगें। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के कुलपति प्रो. बी.आर. दुगड़ करेगें। आप सभी की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

25/1/2018

(जुगल किशोर दाधीच)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि–

1. समस्त विभागाध्यक्ष/प्राचार्य आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय इस आशय के साथ सभी विद्यार्थियों को सूचित कराने का श्रम करावें
2. निदेशक, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय
3. सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
4. निजी सचिव, कुलपति
5. निजी सहायक, कुलसचिव
6. सूचना पट्ट

अहिंसा एवं शान्ति विभाग
जैन विश्वभारती संस्थान, लाडनूं (राजस्थान)

दिनांक : 29.01.2018

सूचना

संस्थान के समस्त विभागाध्यक्षों, संकाय सदस्यों, अधिकारियों, शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों को सूचित किया जाता है कि अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा त्रि–दिवसीय युवा अहिंसा प्रशिक्षण शिविर का समापन दिनांक 29.01.2018 को शैक्षिणक खण्ड के सेमीनार हॉल में दोपहर 02:30 बजे होगा।

इस कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्थान के दूरस्थ निदेशालय के निदेशक प्रो. आन्नद प्रकाश त्रिपाठी करेगें। आप सभी की उपस्थिति सादर प्रार्थित है।

29.1.2018

(जुगल किशोर दाधीच)
विभागाध्यक्ष

प्रतिलिपि–

1. समस्त विभागाध्यक्ष/प्राचार्य आचार्य कालू कन्या महाविद्यालय इस आशय के साथ सभी विद्यार्थियों को सूचित कराने का श्रम करावें
2. निदेशक, दूरस्थ शिक्षा निदेशालय
3. सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष
4. निजी सचिव, कुलपति
5. निजी सहायक, कुलसचिव
6. सूचना पट्ट

30 JAN 2018

युवा अहिंसा एवं मानवाधिकार प्रशिक्षण, हिंसा के पीछे काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार के बताए दोष

लाडनूं में 3 दिवसीय प्रशिक्षण का हुआ शुभारंभ, प्रदेश के विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थी ले रहे हैं भाग

भास्कर संवाददाता | लाडनूं

जैन विश्व भारती संस्थान (मान्य विश्वविद्यालय) के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में तीन दिवसीय युवा अहिंसा एवं मानवाधिकार प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ यहां महाप्रज्ञ-महाश्रमण ऑडिटोरियम में हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसपी पारिस देशमुख ने कहा कि हिंसा के पीछे काम, क्रोध, लोभ, मोह व अहंकार के 5 दोष होते हैं। इन दोषों से परे कोई अपराध नहीं होता। जो व्यक्ति इन दोषों का शिकार होता है, उसके दिमाग में ही क्राइम का विचार आता है। समाज में अगर पूर्ण अहिंसा का माहौल देखना चाहते हैं तो हिंसा के जनक इन दोषों पर विजय पाना आवश्यक है। उन्होंने इस अवसर पर शिविरार्थी विद्यार्थियों से अपने जीवन में शिक्षा से लेकर कॅरिअर बनाने तक की पूरी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि विफलताओं को लेकर अपने कर्तव्य से पीछा छुड़ाने की कोशिश नहीं करनी चाहिए। एक बार जो संकल्प कर लें, तो पीछे पलट कर नहीं देखना चाहिए। एसपी ने छात्राओं से कहा कि वे दबें नहीं, डरें नहीं और बोलें जरूर, क्योंकि जो अन्याय के खिलाफ बोलता नहीं और उसे सहन करता है, वह एक प्रकार से अन्याय का सहयोगी ही होता है।

लाडनूं. एसपी पारिस देशमुख को सम्मानित करते हुए।

दंड विधान के बजाए सुधारवादी सिद्धांत को बताया महत्वपूर्ण

कार्यक्रम में आचार्य कालू कन्या कॉलेज के प्राचार्य प्रो. आनंद प्रकाश त्रिपाठी ने दंड विधान के बजाए सुधारवादी सिद्धांत को उचित बताया तथा कहा कि इस विश्वविद्यालय में दिए जाने वाले अहिंसा प्रशिक्षण एवं प्रेक्षाध्यान के प्रयोगों से विद्यार्थियों में परिवर्तन आया है। प्रो. अनिल धर ने 3 दिन के शिविर को अहिंसा व शांति का बीजारोपण करने वाला बताया। कार्यक्रम में राजस्थान पुलिस सेवा की अधिकारी नमिता खोखर भी विशिष्ट अतिथि के रूप में मंचासीन थी। अतिथियों का स्वागत डॉ. रविंद्र सिंह राठौड़, डॉ. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, प्रगति भटनागर आदि ने किया। अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. युगल किशोर दाधीच ने बताया कि इस 3 दिवसीय प्रशिक्षण शिविर में प्रदेश के विभिन्न कॉलेजों के विद्यार्थी भाग ले रहे हैं।

ध्यान व योग से बदला जा सकता है स्वभाव

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए जैन विश्वभारती विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. बच्छराज दूगड़ ने अपने संबोधन में देश, समाज व अपने प्रति कर्तव्यों को निभाने की आवश्यकता बताई तथा कहा कि ध्यान व योग से स्वभाव में बदलाव लाया जा सकता है। इस दौरान समारोह के विशिष्ट अतिथि बोध गया विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. नलिन शास्त्री ने अपने संबोधन में अहिंसा, शांति की संस्कृति एवं मानवाधिकारों के संबंध में युवाओं के प्रशिक्षण को मानवीय मूल्यों में सहायक बताया तथा उन्होंने कहा कि इससे भय मुक्तता व स्वतंत्रता के साथ शांति, मैत्री व सम्मान की भावनाएं उत्पन्न होंगी। उन्होंने पुलिस व मानवाधिकारों का जिक्र करते हुए कहा कि आमतौर पर पुलिस पर मानवाधिकारों के हनन के आरोप लगते हैं। लेकिन अगर पुलिस के कर्तव्यों व उनके मानवाधिकारों की बात करें तो पता चलेगा कि पुलिस ही मानवाधिकारों की रक्षक है।

शिविर

हिंसा रोकने के लिए अहिंसा प्रशिक्षण जरूरी

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

लाडनूं. जैन विश्वभारती संस्थान मान्य विश्वविद्यालय के अहिंसा एवं शांति विभाग के तत्वावधान में चल रही तीन दिवसीय अहिंसा एवं मानवाधिकार सम्बंधी युवा प्रशिक्षण शिविर का समापन हुआ। समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए दूरस्थ शिक्षा निदेशालय के निदेशक प्रो. आनन्द प्रकाश त्रिपाठी ने कहा है कि विश्व में जो हिंसा के कारण असंतुलन है, उसे रोकने और संतुलित करने के लिए अहिंसा प्रशिक्षण की आवश्यकता है। प्रशिक्षित युवा वर्ग ही इसका समाधान कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि जैन विश्व भारती विश्वविद्यालय अपने अहिंसा एवं शांति विभाग द्वारा अहिंसा की चिंगारी पैदा करने के कार्य में लगा हुआ है। आचार्य महाप्रज्ञ की अहिंसा यात्रा के उदाहरण देते हुए एवं आचार्य महाश्रमण द्वारा ईमानदारी व नैतिकता को आम जन में संचारित करने के लिए किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया। डा.रविन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि शिविर में विवेक माहेश्वरी, समणी ऋजुप्रज्ञा, प्रो.अनिल धर, डा. प्रद्युम्न सिंह शेखावत, प्रो. एपी त्रिपाठी, डा. जुगल किशोर दाधीच आदि ने शिविरार्थियों को अहिंसा का प्रशिक्षण प्रदान किया। शिविर के दौरान सभी को नियमित रूप से ध्यान, प्राणायाम व योग का अभ्यास करवाया गया। अहिंसा एवं शांति विभाग के विभागाध्यक्ष डा.जुगल किशोर दाधीच ने आभार ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन डा. विकास शर्मा ने किया।

लाडनूं. कार्यक्रम में विजेताओं को पुरस्कृत करते अतिथि।

विजेताओं को किया पुरस्कृत

इस तीन दिवसीय युवा प्रशिक्षण शिविर के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं प्रतियोगिताओं में विजेता रहे प्रतिभागियों को पुरस्कार प्रदान किए गए। एकल गायन प्रतियोगिता में सर्वेश नागौर प्रथम, रविन्द्र कुमार डीडवाना द्वितीय एवं ममता आचार्य राजावास तृतीय रहे। एकल नृत्य प्रतियोगिता में दीपिका सोनी प्रथम, ममता कंवर राजावास द्वितीय एवं निर्मला राजावास तृतीय रही। समूह नृत्य प्रतियोगिता में पिंकी पारीक एवं समूह लाडनूं प्रथम, शिखा एवं समूह किशनगढ़ व नीलम एवं समूह राजावास द्वितीय तथा तृतीय स्थान पर पीताम्बर एवं समूह डीडवाना रहे। वाद विवाद प्रतियोगिता में नरेन्द्र सिंह राठौड़ डीडवाना प्रथम, पीताम्बर शर्मा डीडवाना द्वितीय एवं दीनदयाल डीडवाना तृतीय रहे। इनको अतिथियों ने पुरस्कृत किया।

पत्रिका Tue, 30 January 2018
epaper.patrika.com//c/25813436